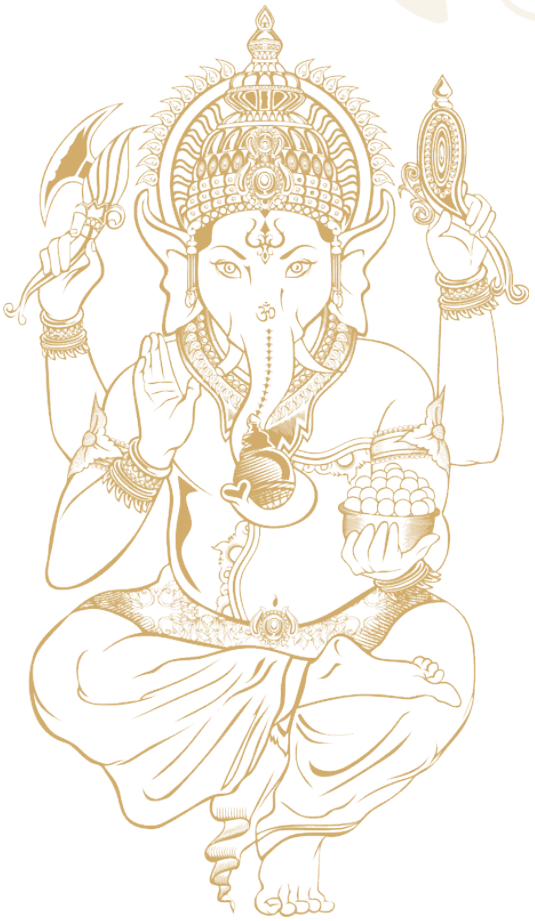

Photo Kumar

06 Jun 1999

03:00 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 120909718

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/06/1999**
दिन	रविवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	24:59:07 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:10:00 घंटे
वेलान्तर	00:01:28 घंटे
साम्पातिक काल	08:07:26 घंटे
सूर्योदय	05:00:21 घंटे
सूर्यास्त	18:36:56 घंटे
दिनमान	13:36:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:24:27 वृष
लग्न के अंश	04:52:36 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	विष्कुम्भ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:52:36	321:16:12	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृष	21:24:27	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	11:49:06	13:01:52	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	00:37:55	00:01:40	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			मिथु	04:56:54	01:57:59	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	स्वराशि
गुरु			मेष	02:13:28	00:11:46	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	06:39:18	00:59:32	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			मेष	17:49:35	00:06:50	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु			कर्क	20:51:49	00:00:36	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	20:51:49	00:00:36	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	22:51:07	00:00:44	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप	व		मक	10:16:55	00:00:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	15:06:44	00:01:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	05:50:25	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:44

लग्न-चलित

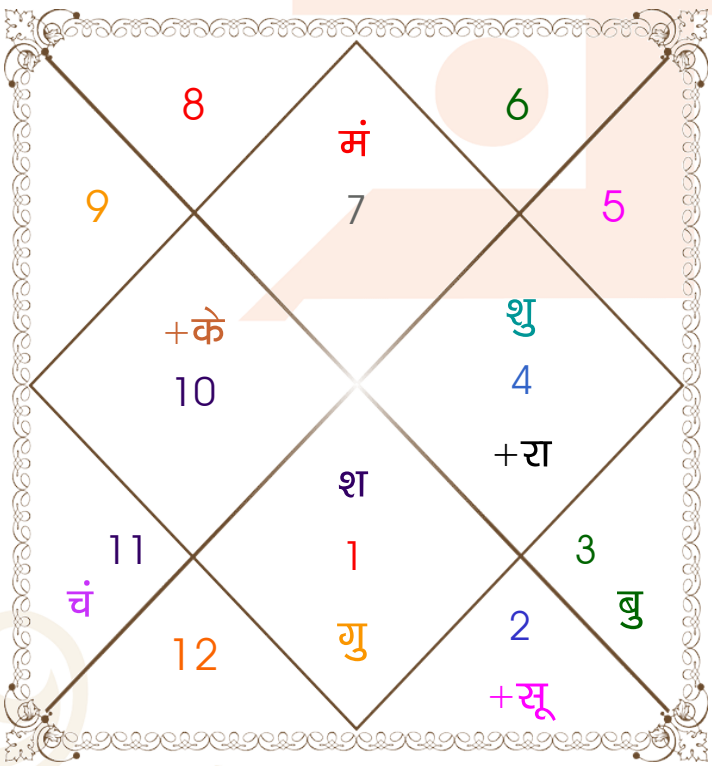

चन्द्र कुंडली

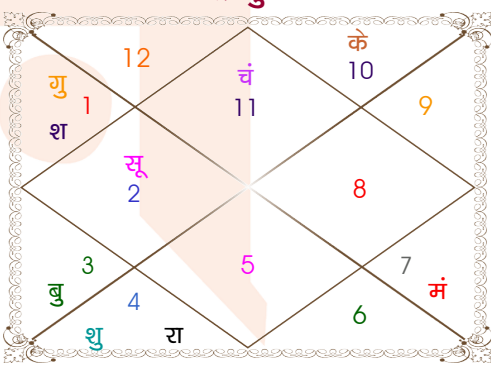

नवमांश कुंडली

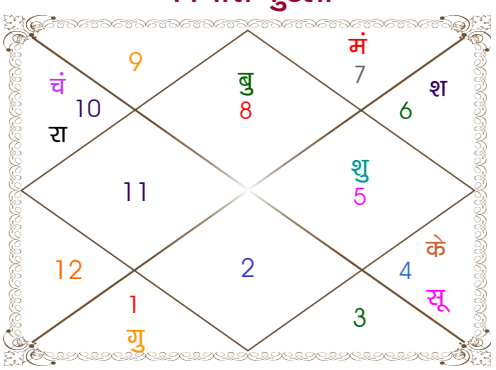

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 11 वर्ष 0 मास 16 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/06/1999		22/06/2010		22/06/2026		22/06/2045		22/06/2062	
22/06/2010		22/06/2026		22/06/2045		22/06/2062		22/06/2069	
	00/00/0000	गुरु	10/08/2012	शनि	25/06/2029	बुध	19/11/2047	केतु	19/11/2062
	06/06/1999	शनि	21/02/2015	बुध	04/03/2032	केतु	15/11/2048	शुक्र	19/01/2064
शनि	04/06/2000	बुध	29/05/2017	केतु	13/04/2033	शुक्र	16/09/2051	सूर्य	26/05/2064
बुध	22/12/2002	केतु	05/05/2018	शुक्र	13/06/2036	सूर्य	22/07/2052	चंद्र	25/12/2064
केतु	10/01/2004	शुक्र	03/01/2021	सूर्य	26/05/2037	चंद्र	22/12/2053	मंगल	23/05/2065
शुक्र	09/01/2007	सूर्य	22/10/2021	चंद्र	25/12/2038	मंगल	19/12/2054	राहु	10/06/2066
सूर्य	04/12/2007	चंद्र	21/02/2023	मंगल	03/02/2040	राहु	07/07/2057	गुरु	17/05/2067
चंद्र	04/06/2009	मंगल	28/01/2024	राहु	10/12/2042	गुरु	13/10/2059	शनि	25/06/2068
मंगल	22/06/2010	राहु	22/06/2026	गुरु	22/06/2045	शनि	22/06/2062	बुध	22/06/2069

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/06/2069		22/06/2089		23/06/2095		23/06/2105		23/06/2112	
22/06/2089		23/06/2095		23/06/2105		23/06/2112		00/00/0000	
शुक्र	22/10/2072	सूर्य	10/10/2089	चंद्र	22/04/2096	मंगल	19/11/2105	राहु	06/03/2115
सूर्य	22/10/2073	चंद्र	10/04/2090	मंगल	21/11/2096	राहु	08/12/2106	गुरु	30/07/2117
चंद्र	23/06/2075	मंगल	16/08/2090	राहु	23/05/2098	गुरु	14/11/2107	शनि	07/06/2119
मंगल	22/08/2076	राहु	11/07/2091	गुरु	22/09/2099	शनि	23/12/2108		00/00/0000
राहु	23/08/2079	गुरु	28/04/2092	शनि	23/04/2101	बुध	20/12/2109		00/00/0000
गुरु	23/04/2082	शनि	10/04/2093	बुध	23/09/2102	केतु	18/05/2110		00/00/0000
शनि	22/06/2085	बुध	15/02/2094	केतु	24/04/2103	शुक्र	18/07/2111		00/00/0000
बुध	22/04/2088	केतु	22/06/2094	शुक्र	23/12/2104	सूर्य	23/11/2111		00/00/0000
केतु	22/06/2089	शुक्र	23/06/2095	सूर्य	23/06/2105	चंद्र	23/06/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 11 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।